

मनोज चन्द्रन  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,  
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून

दिनांक 23 मार्च, 2013

विषय:- वन विभाग के अनुदान सं0-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012-13 के आयोजनागत पक्ष की केन्द्र पुरोनिधानित योजना "प्रोजेक्ट एलिफैंट" के पूंजीगत पक्ष में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश सं0-321/XXVII(1)/2012] दिनांक 19 जून, 2012 तथा अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन के पत्रांक नि 1583/3-6(प्रोजेक्ट एलिफैंट) दिनांक 22 फरवरी, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनागत पक्ष की केन्द्र पुरोनिधानित योजना "प्रोजेक्ट एलिफैंट" के चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए प्राविधानित आय-व्ययक के सापेक्ष पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या-F.N.1-11/2009-PE दिनांक 26 जुलाई, 2012 से प्रथम किस्त के रूप में प्राप्त ₹ 141.00 लाख के सापेक्ष योजना के राजस्व पक्ष के अन्तर्गत शासनादेश संख्या 1691/X-2-2012-12(66)/2006 दिनांक 26 सितम्बर, 2012 से निर्गत वित्तीय स्वीकृति ₹ 131.70 लाख के अतिरिक्त पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या-F.N.1-11/2009-PE दिनांक 21 जनवरी, 2013 से प्राप्त द्वितीय किस्त के सापेक्ष वर्तमान में संलग्न बी0एम0 9 पर उल्लिखित विवरणानुसार पुनर्विनियोग सहित ₹ 20,46,000/- (₹ बीस लाख छियालीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. निर्गत की जा रही धनराशि का उपयोग वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या-F.N.1-11/2009-PE दिनांक 26 जुलाई, 2012 एवं समसंख्यक पत्र दिनांक 21 जनवरी, 2013 द्वारा निर्धारित कार्यों हेतु ही किया जायेगा एवं किसी अन्य मद तथा योजना हेतु इस धनराशि का उपयोग नहीं किया जायेगा।
2. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-321/XXVII(1)/2012, दिनांक 19 जून, 2012 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्चोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
3. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है. अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय.
4. यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निर्वर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितण अधिकारियों के निर्वर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है. अतः आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो.



5. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
  6. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारीख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
  7. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय को फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
  8. यह भी सुनिश्चित किया जाये कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित ईकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
  9. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी.
  10. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली हाय.
  11. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
  12. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.
  13. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
  14. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1303270531 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे.
  15. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना यथा आवश्यकतानुसार सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1638/XXX-1-12(25)/2011, दिनांक 08 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट [www.ua.nic.in](http://www.ua.nic.in) तथा विभाग की वेबसाइट यदि कोई हो पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जाएगी और उन्हें समय समय पर अध्यावधिक किया जाएगा।
- 2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 02 पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन 110 वन्य जीव परिरक्षण 01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0103 प्रोजेक्ट एलीफैंट (100प्रतिशत केन्द्रसहायित) हेतु निम्नलिखित तालिका में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामें डाला जायेगा। इस प्रयोजन हेतु ऑनलाइन बजट अलॉटमेंट की हार्ड कॉपी संलग्न है।

योजना का नाम/मानक मद	(धनराशि ₹ हजार में)				
	आय-व्ययक प्रावधान	पूर्व में निर्गत वित्तीय स्वीकृति	अवशेष आय-व्ययक प्रावधान	वित्तीय स्वीकृति का वर्तमान प्रस्ताव	अभ्युक्ति
2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 02-पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन 110-वन्य जीव परीक्षण 01-केन्द्रीय आयोजनागत /केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0103-प्रोजेक्ट एलीफैंट					
14-कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क्रय	1	0	1	0	
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि	4000	600	3400	0	



की खरीद					
16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	500	0	500	0	
17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	1	0	1	0	
18-प्रकाशन	400	100	300	0	
20-सहायक अनुदान / अंशदान/राज सहायता	500	500	0	1000	(+) 1000 पुर्नविनियोग
23-गुप्त सेवा व्यय	1000	0	1000	0	
25-लघु निर्माण कार्य	8500	3500	5000	0	
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	6500	660	5840	30	(-) 1000 पुर्नविनियोग
29-अनुरक्षण	16000	7210	8790	0	
42-अन्य व्यय	9100	500	8600	916	
44-प्रशिक्षण व्यय	3500	100	3400	100	
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	500	0	500	0	
योग	50502	13170	37332	2046	

(वर्तमान वित्तीय स्वीकृति ₹ बीस लाख छियालीस हजार मात्र)

3- ये आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या 210 (P)/XXVII(4)/2013 दिनांक 23 मार्च, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(मनोज चन्दन)  
अपर सचिव

528

संख्या- (1)/X-2-2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुभ्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, देहरादून.
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
13. गार्ड फाईल.

आज्ञा से,

(मनोज चन्दन)  
अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20122013

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पत्र संख्या - S1303270531

अनुदान संख्या - 027

अलोटमेंट आई सी - S1303270531

आवंटन पत्र दिनांक - 23-Mar-2013

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

1: लेखा शीर्षक - 2406 - वानिकी तथा वन्य जीवन

110 - वन्य जीवन परिरक्षण

03 - प्रोजेक्ट एलीफेंट -(100% केन्द्र सहायित)

02 - पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन

01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
15 - गावियों का अन्तरक्षण और पेट	600000	0	600000
18 - प्रकाशन	100000	0	100000
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	500000	1000000	1500000
25 - लघु निर्माण कार्य	3500000	0	3500000
26 - भूमि और सजा /उपकरण औ	660000	30000	690000
29 - अन्तरक्षण	7210000	0	7210000
42 - अन्य व्यय	500000	916000	1416000
44 - प्रशिक्षण व्यय	100000	100000	200000
	13170000	2046000	15216000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

2046000



उत्तराखण्ड शासन  
(वित्तीय वर्ष 2012-2013)  
बी.एम. - 09

अनुदान संख्या - 027  
पुनर्विनियोग स्वीकृति आवेदक संख्या - 210(1)(p)XXVII(4)/2013

असोटवेंट आईडी - R1303270299  
दिनांक - 23-Mar-2013

(In Rupees)								
क्रम संख्या	बजट प्राविधान तथा मैजोरिटीक (1)	मानक नदवार अथवा वार्षिक व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के अवधि में अनुमानित व्यय (3)	अवशेष करण्यता तथा पोषित धनराशी (4)	सेवाधीन किये जाने वाली धनराशी (5)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल धनराशी (6)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -1 में कुल धनराशी (7)	व्ययवधि
	2406 बालिकी तथा अन्य जीवन 02 पर्यावरणीय बालिकी तथा अन्य जीवन 110 अन्य जीवन परिरक्षण 01 केन्द्रीय आशोकनामक/केन्द्र द्वारा पुणेनिधा 03 प्रोजेक्ट एसीफेंट -(100% केन्द्र सहाय (Plan Voted)				2406 बालिकी तथा अन्य जीवन 02 पर्यावरणीय बालिकी तथा अन्य जीवन 110 अन्य जीवन परिरक्षण 01 केन्द्रीय आशोकनामक/केन्द्र द्वारा पुणेनिधा 03 प्रोजेक्ट एसीफेंट -(100% केन्द्र सहाय (Plan Voted)			
1	26 - मशीनें और मज्जा /उपकरण 6500000	659996	4840004	1000000	20 - सहायक अनुदान/संवर्धन/राज स 1000000	1500000	5500000	
	योग			1000000	योग 1000000			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट अनुदान के परिच्छेद 450, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्विनियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 15 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी जाय

संख्या आर/ई/528- /रजिस्ट्रार 2- दिनांक 23.03.2013

सेवा में,  
महोदय (रजिस्ट्रार)  
उत्तराखण्ड, देहरादून,

हस्ताक्षर (मनोज चन्द्रन)  
अपर सचिव, वन एवं पर्यावरण  
उत्तराखण्ड शासन  
नाम व पदनाम  
प्रशासनिक विभाग

हस्ताक्षर: (मनोज चन्द्रन)  
नाम व पदनाम  
अपर सचिव, वन  
उत्तराखण्ड शासन  
देहरादून